संख्या-743/2017/359/22-2-2017-17(93)/2008

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश, शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 31 अगस्त, 2017***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, बरेली में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी नरवैल सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह, निवासी-जनपद-पीलीभीत की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-42941/प्रोबे0-5-द0या0 बैठक -28-10-2016 दिनांक 02-12-2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी नरवैल सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह, निवासी- ग्राम-झाला मरौरी, थाना-बिलसंडा, जनपद-पीलीभीत का रहने वाला है। बन्दी द्वारा जमीन के विवाद को **लेकर दिनांक 05-04-2001 को 05 सहअभियुक्त के साथ मिलकर बन्दूक व रा**इफल से गोली मार कर 01 व्यक्ति की हत्या कर अपराध कारित किया गया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-433/2002 में भा0द0वि0 की धारा-147, 148, 364 तथा 307/302/201/149 के अन्तर्गत मा0 विशेष न्यायाधीश (एस0सी0/एस0टी0एक्ट), पीलीभीत द्वारा दिनांक 22-09-2004 को आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया जिसे मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश दिनांक 02-12-2005 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी के 04 अन्य सहअभियुक्त कारागार में सजा भुगत रहे हैं तथा 01 अन्य सहअभियुक्त मा0 उच्च न्यायालय द्वारा दोषमुक्त किया गया बन्दी द्वारा दिनांक 02.04.2016 तक 12 वर्ष 10 माह 05 दिन की अपरिहार एवं 16 वर्ष 08 माह 08 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी के अपराध से समाज में भय व्याप्त होने भविष्य में पुन: अपराध कर सकने तथा जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की अख्या अंकित करते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा बन्दी की आयु, कारित अपराध की प्रकृति, काटी गयी सजा जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत सम्यक विचारोपरान्त समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि विषयांकित बन्दी नरवैल सिंह(बन्दी संख्या-39955) पुत्र श्री प्यारा सिंह, निवासी जनपद-पीलीभीत की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करे।

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-743/2017/359(1)/22-2-2017 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, पीलीभीत।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, बरेली।
3- निजी सचिव मा0 राज्यमंत्री कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ ।
4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in